पैंगोंग झील पर शिवाजी की प्रतिमा का अनावरण

[स्रोत: हिंदुस्तान टाइम्स]

हाल ही में पैंगोंग त्सो के तट पर **14,300 फीट** की ऊँचाई पर [छत्रपति शिवाजी महाराज] की एक प्रतिमा का अनावरण किया गया।

- इसका अनावरण भारत और चीन द्वारा [डेमचोक और डेपसांग] में **सैनिकों की वापसी पूरी करने के तुरंत बाद किया गया**, जिससे **4.5 वर्ष** से चल रहा सीमा गतिरोध समाप्त हो गया।
- हालाँकि यह सेना के **दिग्गजों और स्थानीय लोगों** के बीच संवाद का विषय बन गया है, एक सेवानिवृत्त कर्नल ने **डोगरा जनरल जोरावर सिंह** की एक प्रतिमा का प्रस्ताव रखा है, जिनके **वर्ष 1834-1840 के अभियान ने महाराजा रणजीत सिंह** के अधीन **लद्दाख को डोगरा साम्राज्य** में मिला दिया था।
- **पैंगोंग त्सो:** यह हिमालय में लगभग **4,350 मीटर (14,270 फीट) की ऊँचाई पर स्थित** एक [अंतर्देशीय झील] **है।**
  - यह **विश्व की सबसे ऊँची खारे पानी की झीलों में से** एक है, जो **भारतीय प्लेट के यूरेशियन प्लेट से** टकराव के दौरान एक **टेक्टोनिक झील** के रूप निर्मित हुई है।
  - इस घटना के परिणामस्वरूप [टेथिस महासागर] झील द्वारा विस्थापित हो गया, जिससे हिमालय का भी निर्माण हुआ।

//

और पढ़ें: [पैंगोंग झील पर चीन का पुल]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/shivaji-statue-at-pangong-lake